Bharat Temples

जग प्रेम बड़ा बलधारी

जग में प्रेम बड़ा बलधारी ।
जो कोई जन प्रेम से पुकारे, आ जावे गिरधारी ॥

नरसी मेहता ने सतगुरु मिलिया, माया लुटा दी सारी।
राधा-रुखमण संग में आई, लाज राखी भक्तां री ॥
जग में प्रेम .....

प्रेम भाव से खीचड़ो बनायो, वा बेटी जाटा री।
धाबलिया को पर्दो किदो, भोग लगायो बनवारी ॥
जग में प्रेम .....

प्रेम बिना भक्ति लागे फीकी, प्रेम की महिमा भारी।
प्रेम भूखा प्रभु आवे द्वार पर, वेद संन्त पुकारि ॥
जग में प्रेम .....

लादूदास म्हाने सतगुरु मिलिया, धरिया रूप साकारी ।
कहत चम्पा लाल प्रजापति , करज्यो भाव से पारी ॥
जग में प्रेम .....

Source:
https://www.bharattemples.com/jag-me-prem-bada-baldhari-jo-koi-jan-prem-se-pukaare/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw